

मेरी चालू बीवी-113

“मामाजी ने सलोनी को बालो से पकड़ उसके सिर को अपने लण्ड की ओर झुकाया। सलोनी तो जैसे नशे में थी, वो घुटनों पर बैठ उनके लण्ड को अपने होंठों के बीच दबा कर चूसने लगी। ...”

Story By: imran hindi (imranhindi)

Posted: Thursday, October 30th, 2014

Categories: [इंडियन बीवी की चुदाई](#)

Online version: [मेरी चालू बीवी-113](#)

मेरी चालू बीवी-113

सम्पादक – इमरान

रानी इतना अधिक मदहोश हो गई थी कि उसने मेरे लण्ड तक को टटोलना शुरू कर दिया था।

मैंने भी उसकी मर्जी को समझा और ज़िप खोलकर अपना पहले से ही तनतनाया लण्ड बाहर निकाल लिया।

मैंने रानी की आँखों में प्रशंसा देखी, उसने मेरे लण्ड को पकड़ लिया।

इतना कुछ तो हो गया था, अब यह देखना था कि क्या रानी का पति अपने सामने ही मुझे रानी की इस रस भरी चूत में लण्ड डालने देगा या नहीं ?

मैं तो मान भी जाऊँ पर मुझे नहीं लगता कि अब मेरा लण्ड मानेगा।

और उधर मामाजी सलोनी की चूत को चाटने में लगे थे।

सलोनी की आँखे बंद थी... इसलिए नहीं कि वो सो रही थी या फिर सोने का नाटक कर रही थी, बल्कि उसके चेहरे से ही उसकी मस्ती झलक रही थी, उसको बहुत ही मजा आ रहा था, सलोनी के होंठ कभी बंद तो कभी खुल रहे थे, कभी कभी वो उनको गोल सीटी बजाने जैसा कर ले रही थी।

उसके दोनों हाथ अपने आप ही उसकी ऊपर उठी हुई चूचियों पर आ गए थे जिनको वो मसल भी रही थी।

इस सेक्सी दृश्य को देखते हुए रानी जैसी सुकोमल नारी के मक्खन जैसे जिस्म से खेलने

का मजा दुगना हो गया था ।

और ऊपर से उसका पति भी साथ था, उसके सामने तो रानी को चोदने में मजा ही आ जाता ।

रानी डरते हुए बार बार अपने पति की ओर देख रही थी मगर उसने एक बार भी हमारी ओर नहीं देखा, वो अपने बाप की रासलीला देखने में मशगूल था ।

मैंने रानी की चूत सहलाते हुए ही उसके पेटीकोट का नाड़ा ढीला कर दिया, उसने कोई प्रतिरोध नहीं किया बल्कि वो भी कमरे में देखने का प्रयास करती रही ।

अब मैंने पेटीकोट के ऊपर से हाथ अंदर डालकर उसकी चूत को अपनी मुट्ठी में भर लिया । मैं चूत को मसलते हुए पेटीकोट को नीचे करने लगा ।

रानी अपने पति को देखते हुए पलट गई, अब वो मेरे नीचे दबी थी ।

उसकी मदमस्त चूतड़ मेरी कमर के नीचे थे, उसका पेटीकोट घुटनों से नीचे तक सरक गया था ।

मैंने नीचे हाथ कर उसको पूरा निकाल दिया तो अब रानी केवल एक छोटी सी ब्रा में मेरे नीचे दबी हुई लेटी थी ।

हम तीनों के मुँह उस दरवाजे के बनाये गैप में थे और सलोनी-मामाजी की मस्ती देख रहे थे ।

रानी का पति कोने में सिकुड़ा सा बैठा हुआ था, रानी और मैं दूसरी तरफ उलटे लेटे थे, मैं रानी के ठीक ऊपर था, मेरा लण्ड पैंट से बाहर था, मैंने पैंट को अपने चूतड़ से नीचे को सरका दिया पर पूरी उतारी नहीं ।

मेरा लण्ड अब पूरी तरह से स्वतंत्र होकर रानी के चूतड़ों की दरार में घुसा हुआ था। उसने जरा से ऊपर को होकर लण्ड को चूत के ऊपर कर लिया, रानी ने अपने दोनों पैरों के बीच इतना गैप कर लिया था कि लण्ड आसानी से चूत में प्रवेश कर सकता था।

मैंने लण्ड के टॉप को रानी की पानी छोड़ रही चूत के द्वार पर रखा और हल्के से धक्का दिया तो बिना कोई आवाज निकले मेरे लण्ड का टोपा रानी की चूत में चला गया।

उसकी चूत इतनी गर्म लग रही थी जैसे आग निकल रही हो, बहुत ही गरम थी रानी की चूत!

मैं बहुत धीरे धीरे लण्ड को अंदर सरकाने लगा, रस में डूबी, भीगी हुई चूत में मेरा लण्ड फिसलता हुआ अंदर सरक रहा था।

उधर मैंने देखा कि मामाजी ने सलोनी के ब्लाउज को खोल दिया था और उसकी ब्रा ऊपर कर वो सलोनी के चूची को चूसने लगे।

वाह, यह क्या, मामाजी ने भी अपना पजामा पूरा ही निकाल दिया था, उनके बदन पर केवल एक बनियान ही था जो ऊपर तक सरका हुआ था।

सलोनी के बाएं हाथ में उनका लण्ड था जिसे वो हिला रही थी।

इधर रानी का पति उसको ऐसा करते देख सिसकारी लेते हुए अपने हाथ से ही अपने लण्ड को हिला रहा था।

और तभी मामाजी ने सलोनी के दोनों पैरों को अपने हाथ से पकड़ घुटनों से मोड़ ऊपर को कर दिया।

ऊपर को खिलकर निकल आई सलोनी की चूत पर मामा ही ने थूका और अपना लण्ड वहाँ

लगा दिया ।

सलोनी बिलकुल भी मना नहीं कर रही थी, इसका मतलब वो उनका लण्ड लेने को तैयार थी ।

और तभी मामाजी ने एक जोरदार धक्का लगाकर अपना लण्ड सलोनी की चूत में डाल दिया ।

आज मैं एक और लण्ड को अपनी बीवी की चूत में जाते हुए देख रहा था ।

‘आह्ह्हहहा आआह’ सलोनी की जोरदार सिसकारी के साथ ही रानी भी सिसकार उठी-
आअह्ह्हह्हहाआआ !

मैंने भी एक तेज झटके से अपना लण्ड जड़ तक रानी की चूत की गहराइयों में उतार दिया था ।

रानी का पति- क्या हुआ ?

रानी- अह्ह्ह... देखो, मैं ना कहती थी कि यह बुड्ढा अब मुझे भी गन्दी नजर से देखता है पर आपको तो मुझ पर भरोसा ही नहीं था, अब देख लिया ना आपने अपनी आँखों से ?

रानी का पति कुछ नहीं बोला ।

उधर मामाजी खुलकर अपनी कमर हिला हिला कर सलोनी को चोद रहे थे, इधर मैंने भी गति पकड़ ली ।

अब उसके पति ने मुझको देखा तो उसको ज्यादा कुछ तो पता नहीं चला ।

मैं- तेरा बाप तो बहुत हरामी है साला ?

पति- पर यह आप क्या कर रहे हो मेरी रानी के साथ ?

मैं- बदला... जब वो खुलकर कर रहा है तो क्या मैं ऊपर से भी नहीं कर सकता ?

मैंने उसको बरगलाया, उसको ऐसा दिखाया कि मैं ऊपर-ऊपर से ही कर रहा हूँ जबकि मेरा लण्ड रानी की चूत में गहराई तक आ-जा रहा था।

रानी के पति को अपने बाप के ऐसे कृत्य को देखते हुए कोई पछतावा नजर नहीं आ रहा था बल्कि वो पूरा मजा ले रहा था, उनकी चुदाई देखते हुए वो खुद अपना लण्ड जोर जोर से हिला रहा था, उसका ध्यान मेरी या फिर रानी की ओर बिल्कुल नहीं था।

रानी को मैंने लगभग पूरा नंगा कर दिया था, उसकी चूत में लण्ड भी डाल दिया था, मगर उसको जैसे पता ही नहीं चला था और वो बड़बड़ा भी रहा था- आहूहूहा यार कुछ भी बोलो, तुम्हारी बीवी है बहुत मस्त माल ! मेरा बाप तो कई साल से भूखा है, अगर मैं भी होता तो खुद को नहीं रोक पाता, इसको पूरा नंगा करके खूब चोदता !

मैं- साले... हरामी... मेरे सामने ही ऐसा बोल रहा है ?

मैंने एक चपत उसके सर पर लगाई।

‘सॉरी यार... पर क्या करूँ ? वो है ही ऐसी... काश इसको पूरी नंगी करके, कमरे में खड़ी करके इसको घुमा घुमाकर चारों ओर से देखता !

बस उसका इतना कहना था।

मामाजी ने उधर सलोनी की चूत से अपना लण्ड बाहर निकल लिया, सलोनी अब आँखें खोलकर उनको देख रही थी।

उन्होंने अपनी बनियान हाथ ऊपर करके उतार दी, फिर सलोनी को उठाकर खड़ा किया, उसकी बाँहों में फंसे हुए ब्लाउज और ब्रा को उसके शरीर से अलग कर एक ओर फेंक दिया।

सलोनी- नहींईइ... अरे कोई आ जायेगा ?

मामाजी- चुप्प... कुछ नहीं होगा !

और फिर उन्होंने सलोनी के पेटीकोट का नाड़ा भी खोल दिया। पेटीकोट टाइट था, वो एकदम नहीं उतरा, उन्होंने उसको अपने हाथ से सलोनी के चूतड़ों से उतारा।

सलोनी मदहोशी सी हालत में थी, वो उस कमरे में मामाजी के सामने पूरी नंगी खड़ी थी और मामाजी भी पूरे नंगे खड़े अपने लण्ड को हाथ से सहला रहे थे।

लण्ड सलोनी के चूत से अभी ही निकला था अतः वो चूत के रस से भीगा हुआ था और चमक रहा था।

सलोनी ने एक मस्त अंगड़ाई ली, उसकी चूचियाँ और चूतड़ दोनों ही उठे और हिले, कमरे में जैसे भूचाल सा आ गया।

मामाजी ने जोर से सिसकारी ली, उनका लण्ड उछल उछल कर हिल रहा था, उन्होंने अपने दोनों हाथों से सलोनी के यौवन को सहलाना शुरू कर दिया, वो कभी उसकी चूचियों को मसलते तो कभी उसके चूतड़ों को !

सलोनी कमरे में घूम घूम कर मस्ती ले रही थी।

तभी सलोनी ने मामाजी के लण्ड को अपने मुट्ठी में भर लिया, वो उसको पागलों की तरह हिला रही थी।

मामाजी ने सलोनी को बालो से पकड़ उसके सिर को अपने लण्ड की ओर झुकाया ।
सलोनी तो जैसे नशे में थी, वो घुटनों पर बैठ उनके लण्ड को अपने होंठों के बीच दबा कर
चूसने लगी ।

रानी का पति और भी कमीनपने पर उतर आया है- देख, मैं सही बोल रहा था ना, यह तो
बिल्कुल रण्डी जैसा चूस रही है, साली कितनी मस्त है यार !

मुझे गुस्सा आ गया, मैंने गप की आवाज के साथ अपने लण्ड को रानी की चूत से बाहर
निकाला ।

उसने चौंककर मुझे देखा ।

मैंने उसके बालों को कसकर खींचा- साले तेरा बाप तो हरामी है ही, तू उससे भी बड़ा हरामी
है । कमीने चल, अपने बाप का कर्ज़ अब तू चुकाएगा, साले चूस मेरे लण्ड को वैसे ही !

और मैंने अपने लण्ड को उसके खुले मुँह में घुसेड़ दिया ।

बहुत ही गर्म माहौल हो गया था ।
कहानी जारी रहेगी ।

